यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय
इलाहाबाद
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी एवं संघटक कॉलेज)

2015-2016

हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

बी०ए० प्रथम सेमेस्टर, प्रथम प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास
आदिकाल एवं भक्तिकाल (सम्वत 1050 से 1650)

पूर्णांक : 75

इकाई - 1

साहित्य के इतिहास का तात्पर्य
साहित्येतिहास की सामग्री का संचयन वर्गीकरण एवं उपयोग
काल विभाजन एवं नामकरण का आधार
हिन्दी का स्वरूप और हिन्दी भाषी क्षेत्र
राजनैतिक, सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
काल विभाजन एवं नामकरण - आदिकाल

इकाई - 2

आदिकालीन साहित्यिक अभिव्यक्ति का स्वरूप

(क) नाथ साहित्य

(ख) सिद्ध साहित्य

(ग) जैन साहित्य

(घ) रासो साहित्य

(ड़) आदिकालीन भक्ति साहित्य (सूफी एवं संत काव्य)

(च) रोमांचक एवं श्रृंगारिक काव्य

(छ) फुटकर साहित्य - अमीर खुसरो

आदिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

इकाई - 3

राजनैतिक, सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, काल विभाजन एवं नामकरण- भक्तिकाल

साहित्यिक अभिव्यक्ति का स्वरूप- निर्गुण काव्य धारा

(क) संतकाव्य और कबीर

संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

(ख) प्रेमाख्यानक काव्य और जायसी

प्रेमाख्यानक काव्य की विशेषताएँ

इकाई - 4

साहित्यिक अभिव्यक्ति का स्वरूप- सगुण काव्य धारा

(क) राम काव्य परम्परा और तुलसी

राम काव्य की विशेषताएँ

(ख) कृष्ण काव्य परम्परा और सूरदास

कृष्ण काव्य की विशेषताएँ

पाठ्य पुस्तकें :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल

2 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र

3 हिन्दी साहित्य का अतीत भाग 1 एवं 2 : डॉ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

4 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त

5 हिन्दी साहित्यकोश (दोनो भाग) : डॉ० धीरेन्द्र वर्मा

6 साहित्यिक निबन्ध : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त

हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांक : 75

प्राचीन हिन्दी काव्य भाग - 1
इकाई - 1

1. आदिकालीन रासो काव्य एवं भक्तिकालीन निर्गुण काव्य धारा
2. प्राचीन निर्धारित हिन्दी कवियों के काव्य से व्याख्या प्रश्न
   (क) नरपति नाल्ह : बीसलदेव रासो से 12 छन्द (67 से 78 तक)
   (ख) कबीरदास : पद - प्रेम 1, 2, 3, 4; साधु महिमा 1;
   करूना बिनती 1; परचा 1, 2;
   भगति सजेवनि 1, 2; माया 2; निंदक साकत 1;
   भरम बिधूसन 1, 2
   साखी : सद्गुर महिमा कौ अंग - 1, 2, 3, 4, 5
   प्रेम विरह कौ अंग - 1, 2, 3
   सुमिरन भजन महिमा कौ अंग - 1, 2
   दीनता बीनती कौ अंग - 1, 2
   उपदेस चितावनी कौ अंग - 1, 2, 3, 4
   निदां कौ अंग - 1, 2
   संगति कौ अंग - 1, 2
   करनी कथनी कौ अंग - 1
   सहज कौ अंग - 1
   (ग) जायसी : नागमती वियोग खण्ड (पद्मावत)

इकाई - 2

भक्तिकालीन सगुण काव्य धारा
प्राचीन निर्धारित हिन्दी कवियों के काव्य से व्याख्या प्रश्न

(क) सूरदास : पद 1, 2, 4, 6, 7, 12, 16, 18, 20, 22, 23, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31

(ख) तुलसीदास : अयोध्या काण्ड गुरुपद कमल ..... भा सुखी समाजु।।
कवितावली : 1, 2, 3
गीतावली : 1, 2, 3
बरवै रामायण : 1

इकाई - 3

इकाई एक के कवियों एवं उनके काव्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

नरपति नाल्ह : चरित काव्य परम्परा; काव्यगत वैशिष्ट्य वियोग वर्णन, प्रकृति वर्णन, ऐतिहासिकता

कबीर दास : कबीर का युग, कबीर की भक्ति, निर्गुण ब्रह्म की कल्पना, जीव, जगत, माया विषयक विचार, नाम साधना, कबीर - धर्मगुरू, खण्डनात्मक विचारधारा, कबीर की सहज साधना, रहस्यवाद, काव्यत्व, भाषा-शैली

जायसी : हिन्दी में प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा : सूफी काव्य धारा में जायसी का स्थान; जायसी का रहस्यवाद, पद्मावत कथानक, काव्यत्व, प्रेम विरह और प्रकृति चित्रण

इकाई - 4

इकाई 2 के कवियों एवं उनके काव्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

तुलसीदास : रामकाव्य की परम्परा और रामचरित मानस तुलसीदास और उनका युग, तुलसी की भक्ति तुलसी का समन्वयवाद, तुलसी का प्रभाव, मानस का काव्य सौन्दर्य, तुलसी का दार्शनिक सिद्धान्त

सूरदास : भक्ति का विकास और बल्लभ सम्प्रदाय और अष्टछाप; सूरदास की रचनाएँ और उनकी विशेषताएँ; सख्य भाव, गोपी विरह वर्णन, भ्रमर गीत परम्परा, सूर की काव्य साधना तथा दार्शनिक परिचय

पाठ्य पुस्तकें :

1. मध्यकालीन काव्य, संस्करण 2010 हिन्दी परिषद प्रकाशन
   इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

2. बीसलदेव रासो, नरपति नाल्ह
   सम्पादक - डॉ० माता प्रसाद गुप्त

3. कबीर : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

4. कबीर : डॉ० विजयेन्द्र स्नातक

5. कबीर की विचारधारा : डॉ० गोविन्द त्रिगुणायत

6. कबीर मीमांसा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी

7. सूरदास : डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा

8. त्रिवेणी : आ० रामचन्द्र शुक्ल

9. पद्मावत प्रभा : डॉ० सूर्य प्रसाद दीक्षित

10. पद्मावत पराग : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा

11. तुलसीदास : डॉ० उदयभान सिंह

12. तुलसी : डॉ० माता प्रसाद गुप्त

यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय
इलाहाबाद
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी एवं संघटक कॉलेज)

2015-2016

हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर, प्रथम प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास
रीतिकाल एवं आधुनिक काल (सम्वत **1600** से अब तक)

पूर्णांक : 75

इकाई - **1**

राजनैतिक, सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

काल विभाजन एवं नामकरण - रीतिकाल

साहित्यिक अभिव्यक्ति का स्वरूप

(क) रीतिबद्ध काव्य और आचार्य कवि केशवदास

(ख) रीतिसिद्ध काव्य और बिहारी

(ग) रीतिमुक्त काव्य और घनानन्द

(घ) रीतिकालीन वीर काव्य और भूषण

(ङ) रीतिकालीन नीति काव्य

रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

इकाई - **2**

मध्ययुगीनता और आधुनिकता का अर्थ एवं अंतर

19वीं शताब्दी के पुनर्जागरण का स्वरूप

पुनर्जागरण एवं हिन्दी क्षेत्र

राजस्थानी गद्य, ब्रजभाषा गद्य, मैथिली गद्य
खड़ी बोली गद्य का विकास और प्रयोग
साहित्य और संस्कृति
भारतेन्दु और उनके युग के लेखक
(अ) लोकचेतना
(ख) पत्रकारिता
(ग) साहित्यिक उन्मेष
(घ) सामाजिक दृष्टि

द्विवेदी युग और नव जागरण

इकाई - 3

विभिन्न काव्यान्दोलन, प्रवृत्तियाँ और कवि
(छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, अकविता और समकालीन कविता)

इकाई - 4

हिन्दी गद्य साहित्य और लेखक

(नाटक, एकांकी, रंगमंच, उपन्यास, कहानी, निबन्ध एवं आलोचना विधा का संक्षिप्त परिचय)

हिन्दी पत्रकारिता : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान

नये गद्य रूप : यात्रा वृत्तान्त, रिपोर्ताज, जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण, दैनन्दिनी आदि का संक्षिप्त परिचय

पाठ्य पुस्तकें :

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह

हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्न पत्र

प्राचीन हिन्दी काव्य भाग - 2

इकाई - 1

1. आदिकालीन कविता और विद्यापति
   कृष्ण काव्य और मीराबाई
   प्राचीन निर्धारित हिन्दी कवियों के काव्य से व्याख्या प्रश्न
   (क) विद्यापति : पद - 1, 2, 3, 4, 8, 9, 10, 11, 12
   (ख) मीराबाई : पद 1 से 10 तक

इकाई - 2

1. हिन्दी रीतिबद्ध काव्य और केशवदास
   हिन्दी रीति सिद्ध काव्य और बिहारी
   हिन्दी रीतिमुक्त काव्य और घनानन्द
   प्राचीन निर्धारित हिन्दी कवियों के काव्य से व्याख्या प्रश्न
   (क) केशवदास - रावण - अंगद संवाद (अंगद ..... प्रस्थान)
   (ख) बिहारी - निर्दिष्ट साठ दोहे
   (ग) घनानन्द - कवि प्रशस्ति, सुजान हित, प्रकीर्णक

इकाई - 3

इकाई एक के कवियों एवं उनके काव्य पर आलोचनात्मक प्रश्न
(क) विद्यापति - संक्षिप्त जीवनवृत्त और कृतित्व, शृंगार काव्य की परम्परा एवं विद्यापति, काव्यगत विशेषताएँ, महत्व।
(ख) मीराबाई - संक्षिप्त जीवन वृत्त और कृतित्व, मीरा की भक्ति, काव्यगत विशेषताएँ महत्व।

इकाई - 4

इकाई दो के कवियों एवं उनके काव्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

(क) केशवदास - संक्षिप्त जीवनवृत्त और कृतित्व, केशव कठिन काव्य का प्रेत, केशव का आचार्यत्व, केशव काव्य की विशेषताएँ, केशव का महत्व ।

(ख) बिहारी - बिहारी का संक्षिप्त जीवन परिचय और कृतित्व, बिहारी का काव्य कौशल, लक्षण काव्य और बिहारी, अनुभाव-विधान, चमत्कार, रस व्यंजना, अलंकार चातुर्य, उक्ति वैचित्र्य, प्रसंग विधान, भाषा सौन्दर्य, शब्दचित्र, बिहारी का महत्व ।

(ग) घनानन्द - संक्षिप्त जीवनवृत्त और कृतित्व, घनानन्द की संवेदना और भाषा, काव्यगत विशेषताएँ, महत्व।

पाठ्य पुस्तकें :

मध्यकालीन काव्य, संस्करण 2010, हिन्दी परिषद

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय
इलाहाबाद
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी एवं संघटक कॉलेज)

2015-2016

हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

बी०ए० तृतीय सेमेस्टर, प्रथम प्रश्न पत्र

हिन्दी भाषा का इतिहास

इकाई - 1 **पूर्णांक - 75**

प्राचीन भारतीय आर्य भाषा

(क) वैदिक संस्कृत - ध्वनिगत एवं व्याकरणिक परिचय

(ख) लौकिक संस्कृत - ध्वनिगत एवं व्याकरणिक परिचय

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा

(क) पालि व्युत्पत्ति- ध्वनिगत एवं व्याकरणिक परिचय

(ख) साहित्यिक प्राकृत - ध्वनिगत एवं व्याकरणिक परिचय

(ग) अपभ्रंश-ध्वनिगत एवं व्याकरणिक परिचय

(घ) परवर्ती अपभ्रंश, अवहट्ट में पुरानी हिन्दी के तत्व

इकाई - 2

आधुनिक भारतीय आर्य भाषा

हिन्दी की उपभाषाएँ (राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, पूर्वी, पश्चिमी हिन्दी) हिन्दी प्रदेश की बोलियाँ (पूर्वी, पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ - अवधी, ब्रज, खड़ी बोली, भोजपुरी) अवधी, ब्रज, खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।

इकाई - 3

हिन्दी शब्द भण्डार

देवनागरी लिपि का इतिहास और वैज्ञानिकता

इकाई - 4

मानक हिन्दी का व्याकरण

राजभाषा हिन्दी का संवैधानिक पक्ष, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी, राष्ट्रभाषा समस्या और समाधान।

पाठ्य पुस्तकें :

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ० हरदेव बाहरी
2. हिन्दी भाषा का विकास और लिपि का स्वरूप : भवानी दत्त उप्रेती

बी0ए0, तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी आधुनिक काव्य, भाग - 1

इकाई - 1 **पूर्णांक : 75**

निर्धारित कवियों के काव्य से व्याख्याएँ

(क) मैथिलीशरण गुप्त : कैकेयी अनुपात (साकेत-अष्टम सर्ग)
(तदनन्तर ..... एक लाल की माई)

(ख) रामधारी सिंह 'दिनकर' : जनतंत्र का जन्म, कवि और प्रेम

(ग) अज्ञेय : नदी के द्वीप, एक बूंद सहसा उछली

इकाई - 2

निर्धारित कवियों के काव्य से व्याख्याएँ

(क) जयशंकर प्रसाद : श्रद्धा सौन्दर्य (श्रद्धा सर्ग - कामायनी)
(कौन तुम ..... सदृश अबाध)

(ख) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग (तिरती ..... पारावार), तोड़ती पत्थर, संध्या सुंदरी

(ग) सुमित्रानन्दन पंत : ताज, नौका विहार, भारतमाता

इकाई - 3

इकाई 1 के कवियों एवं उनके काव्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4

इकाई 2 के कवियों एवं उनके काव्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्य पुस्तकें :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
2. साकेत एक अध्ययन : डॉ० नगेन्द्र
3. मैथिलीशरण गुप्त : डॉ० उमाकान्त गोयल
4. मैथिलीशरण गुप्त : डॉ० कमला कान्त पाठक
5. कामायनी टीका : श्री विश्वम्भर मानव
6. कामायनी भाष्य : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
7. निराला की साहित्य साधना : डॉ० रामविलास शर्मा
8. कविवर निराला : बच्चन सिंह
9. कवि निराला : नन्द दुलारे बाजपेयी
10. सुमित्रानन्दन पंत, जीवन और साहित्य : शान्ति जोशी
11. दिनकर का वीर काव्य : धर्मपाल सिंह आर्य
12. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना : सुधाकर शंकर कलवड़े
13. अज्ञेय : सं० डॉ० विश्वनाथ तिवारी
14. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : डॉ० राम स्वरूप चतुर्वेदी

यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय
इलाहाबाद
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी एवं संघटक कॉलेज)

2015-2016

प्रयोजन मूलक हिन्दी

बी०ए० चतुर्थ सेमेस्टर, प्रथम प्रश्न पत्र

इकाई - 1

(क) प्रयोजन मूलक हिन्दी : अभिप्राय और प्रयोगात्मक क्षेत्र

(ख) प्रतिवेदन लेखन : स्वरूप, महत्व, नियम एवं अभ्यास

(ग) हिन्दी में मीडिया लेखन : जनसंचार माध्यम, अभिप्राय, स्वरूप प्रकार, समाचार पत्र, पत्र-पत्रिकाएँ, प्रेस, रेडियो, टी.वी., फिल्म, इण्टरनेट, संगणक, पारम्परिक लोक संचार माध्यम

इकाई - 2

(क) संपादन कला

(ख) प्रूफ-पठन

(ग) विराम चिन्ह विचार

(घ) मुहावरे, लोकोक्तियों, सूक्तियाँ : महत्व, अर्थ एवं प्रयोग

इकाई - 3

निबन्ध लेखन : साहित्यिक, सामाजिक, सामयिक, सांस्कृतिक, ललित, रिपोर्ताज, यात्रावृत्त एवं संस्मरणात्मक निबन्ध

इकाई - 4

संक्षेपण : स्वरूप, महत्व, नियम एवं अभ्यास

पल्लवन : स्वरूप, महत्व, नियम एवं अभ्यास

अपठित : स्वरूप, महत्व, नियम एवं अभ्यास

पाठ्य पुस्तकें :

प्रयोजन मूलक हिन्दी : डॉ0 राम किशोर शर्मा एवं डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा

डॉ0 पृथ्वी नाथ पाण्डेय

बी.ए.चतुर्थ सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी आधुनिक काव्य, भाग-2

इकाई 1

निर्धारित कवियों के काव्य से व्याख्या प्रश्न

(क) गजानन माधव मुक्तिबोध : ब्रह्म राक्षस

(ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : भूख, देशगान

(ग) अरुण कमल : श्राद्ध का अन्न, नये इलाके में

(घ) रघुबीर सहाय : अधिनायक, अकाल

इकाई - **2**

निर्धारित कवियों के काव्य से व्याख्या प्रश्न

(क) नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद

(ख) सुदामा पाण्डे 'धूमिल' : शब्द जहाँ सक्रिय हैं

(ग) दुष्यन्त : अपाहिज व्यथा को वहन कर रहा, हो गयी है पीर पर्वत सी, पिघलनी चाहिए।

इकाई - **3**

इकाई 1 के कवियों एवं उनके काव्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

निर्दिष्ट कविताओं का सार / मूल भाव, भावगत एवं शिल्पगत सौन्दर्य ; कवियों का संक्षिप्त जीवन परिचय; कृतित्व एवं मूल्यांकन।

इकाई - 4

इकाई 2 के कवियों एवं उनके काव्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

निर्दिष्ट कवियों का सार/मूल भाव; भावगत एवं शिल्पगत सौन्दर्य; कवियों का संक्षिप्त जीवन परिचय; कृतित्व एवं मूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें :

1. आधुनिक काव्य : संस्करण हिन्दी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
2. सर्वेश्वर, मुक्तिबोध एवं अज्ञेय: डॉ0 कृपा शंकर पाण्डेय
3. मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर
4. मुक्तिबोध का काव्य : अशोक चक्रधर
5. मुक्तिबोध काव्य बोध का नया परिप्रेक्ष्य : डॉ0 वीरेन्द्र सिंह
6. मुक्तिबोध की की काव्य कला: डॉ0 अचला रानी तिवारी
7. प्रयोगवाद एवं मुक्ति बोध एक: नवमूल्यांकन डॉ0 नगेन्द्र कुमार शर्मा
8. सर्वेश्वर का रचना संसार : डॉ0 कृष्ण दत्त पालीवाल
9. सर्वेश्वर की काव्य-संवेदना और सम्प्रेषण : डॉ0 हरिचरण शर्मा
10. सर्वेश्वर का रचना संसार : डॉ0 अशोक चक्रधर
11. पंत का प्रगतिवादी काव्य : डॉ0 प्रमिला त्रिवेदी

12. रघुवीर सहाय का कवि कर्म	:	सुरेश शर्मा
13. नागार्जुन की कविता	:	अजय तिवारी
14. दुष्यन्त कुमार की गजलों का समीक्षात्मक अध्ययन	:	डॉ0 सरदार भुजावल
15. दुष्यन्त की गज़लों का चिन्तन पक्ष	:	श्रीमती रेखा कदम
16. धूमिल की काव्य कला	:	डॉ0 सुधाकर शेंडगे
17. धूमिल के काव्य में व्यक्ति संघर्ष	:	डॉ0 राठोड़ अनिल
18. अरूण कमल एवं समकालीन हिन्दी कविता	:	डॉ0 प्राची शर्मा
19. नागार्जुन की काव्य यात्रा	:	डॉ0 रतन कुमार पाण्डेय